www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर
पटना, 01 जुलाई, 2010 ● अंक-40 ● वर्ष-3

हरियाणा पंजाब स आगू निकलल बिहार

नई दिल्ली । पैप उद्योग क स्थापना मे बिहार कए भले पैप उपलब्धि न हासिल हुए, मुदा सूक्ष्म, लघु आ मध्यम स्तर क इकाइ क स्थापना मे बिहार कईटा प्रगतिशील राज्य स आगू भ गेल अछि। एहि मामला मे त बिहार कृषि उत्पादन मे अव्वल पंजाब कए सेहो पछाड़ि देलक अछि। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) क ताजा रिपोर्ट क अनुसार, सूक्ष्म-लघु आ मध्यम श्रेणी क उद्योग क स्थापना मे देश क12 श्रेष्ठ प्रदर्शन वाला राज्य मे बिहार सेहो शामिल अछि। खासगप इ अछि जे रिपोर्ट मे ओकर स्थिति हरियाणा, पंजाब, पश्चिम बंगाल स बेहतर अछि। सिडबी क रिपोर्ट क मुताबिक, बिहार मे एहन पंजीकृत इकाइ क संख्या 52333 अछि, जे राष्ट्रीय हिस्सेदारी क 3.29 फीसदी अछि। एहि क्षेत्र मे सर्वाधिक हिस्सेदारी तमिलनाडु आ गुजरात क अछि। तमिलनाडु क 15.33 आ गुजरात क 15.07 प्रतिशत क हिस्सेदारी अछि। इ रिपोर्ट एहि इकाइ क चारिम राष्ट्रीय गणना (2007-07) पर आधारित अछि। तेसर गणना मे बिहार मे 52107 इकाई छल जे आब 52233 भ गेल। रिपोर्ट मे एहि गपक चर्चा अछि जे बैंक क बेहतर वित्तीय सहयोग क संग उद्योग क विकास क लेल अगर बिजली आ भूमि आवंटन जइसन बुनियादी सुविधा भेट जाए त बिहारक मे विकास क अपार संभावना अछि। इ सेहो उल्लेख अछि जे एहि बीच राज्य मे धड़ल्ले स इकाइ बंद सेहो भेल अछि।

पेप्सी क खाद करत बिहार कए आबाद

नई दिल्ली। पेप्सी 2001 मे पंजाब क आलू किसान क संग ठेका पर खेती करबाक शुरुआत केने छल आ धीरे धीरे एकरा पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक आ गुजरात मे ल गेल। आइ कंपनी करीब 22,000 किसान स आलू, धान, ज्वार, टमाटर आ मिरचाई क खेती ठेका पर करा रह अछि।

कंपनी ठेका पर खेती क एहि कार्यक्रम कए बिहार ल जेबाक योजना बनेलक अछि आ शीघ्र बिहार मे एहन खेती शुरू होएत। ओना देश मे ठेका पर खेती करबाक नीति नहि रहबाक बावजूद कंपनी कए एहि कार्यक्रम कए सफलता भेटल अछि। कंपनी क कहब अछि जे एहि कार्यक्रम क नियंत्रण क लेल कोनो नीति क जरूरत नहि अछि। पेप्सिको इंडिया क कार्यकारी निदेशक (कृषि आ बाहरी मामला) विवेक भारती कहब अछि, एकरा लेल कोनो नीति क जरूरत नहि होइत अछि। इ दूनू पक्ष क परस्पर भरोस पर निर्भर करैत अछि। आइ पश्चिम बंगाल क 6टा जिला क करीब 6,500 आलू किसान कंपनी लेल खेती करि रहल छथि आ थोक भाव मे गिरावट क बावजूद 6-8 टका प्रति किलोग्राम क हिसाब स फसल क कीमत ल रहल अछि। इ किसान खाद्य एवं पेय पदार्थ कंपनी पेप्सिको क लेल खेती स खुश छथि। आब बिहार क किसान कए सेहो पेप्सी क हाथ थामबाक मौका भेट सकैत अछि।

रोजगार क तलाश मे बिहार आबि रहल छथि राजस्थानी

बगहा (पश्चिम चंपारण)। समय बदलबा मे देर होइत अछि, मुदा बदलैत जरूर अछि। आइ जतय बिहार क लोक रोजगार तकबा लेल दिल्ली, पंजाब आ गुजरात जइसन विकसित सूबा मे जा रहल अछि ओतहि किछु एहनो उदाहरण सामने आबि रहल अछि जाहि स प्रतीत भ रहल अछि जे रोजगार बिहार मे सेहो सृजित भ रहल अछि आ बाहरी राज्यक लोक बिहार आबि रहल अछि। बिहार मे करीब 20 हजार स बेसी राजस्थानी मजदूर गंडक, कोसी, बागमती आ गंगा पर बांध क काज मे लागल छथि। एहि मे स किछु श्रमिक चंपारण क बगहा सन अल्प विकसित जगह पर पंडित नेहरू द्वारा बनाउल गेल नहर क पुनर्स्थापन कार्य मे लागल छथि। हिनकर साफ कहब अछि जे बिहार क लोक काज करबाक संग-संग काज लेबा मे सेहो माहिर अछि। एहि कारण हिनका सब कए बिहार क माटी स प्यार भ गेल अछि। जहिया स माहौल बदलल अछि तहिया स रोज राजस्थानी मजदूर, चालक आ अभियंता काज क तलाश मे बिहार आबि रहल छथि। सबहक लेल वाजिब मजदूरी तय अछि। एहि कड़ी मे पिछला दू दशक स तबाही क वाहक बनल गंडक बराज स निकलल नहर कए फेर स जीवंत करबा लेल पहुंचल राजस्थानी मजदूर बिहार कए बनेबा मे लागल छथि। पश्चिम चंपारण क बगहा पुलिस जिला क विभिन्न इलाका मे इ काज करि रहल छथि। तिरहुत आ त्रिवेणी नहर क पुनर्स्थापन मे लागल दर्जन भरि ट्रैक्टर चालक क नेतृत्व करनिहार राजस्थान क बीकानेर जिला क डुमरावगढ़ निवासी कालूनाथ सिद्दी आ मदनलाल शर्मा कहैत छथि जे ओ पिछला छह महीना स बिहार मे काज करि रहल छथि। हुनका एहि ठाम कोनो प्रकार दिक्कत नहि भेल अछि। ओ साफ कहैत छथि जे सुनने रही ओकर ठीक विपरित भेटल बगहा।

ई अल्प विराम किया

एक माह क उपरांत समाद एक बेर फेर अहां सबहक बीच अछि। आखिर इ अल्प विराम किया। एकर पाछु एहि अखबारक मूल चरित्र अछि। आइ समाद परिवार मे पुरुषक संख्या काफी अछि, मुदा मूल रूप स इ गृहणीक अखबार रहल अछि। एहन मे बच्चाक छुट्टी आ करतेबता समाद लेल एकटा छुट्टीक आधार बनैत रहल अछि। एहन छुट्टी क विचार सेहो एकटा विद्यालय स आयल। दरभंगाक पब्लिक स्कूल, एहि विद्यालय मे कई साल तक छुट्टीक आधार मिथिला विश्वविद्यालयक छुट्टी पर आधारित रहल। एकर पाछु कारण छल जे माइ-बापक छुट्टी संग बच्चाक छुट्टी भेला स आसानी होइत अछि आ ओहि स्कूल मे अधिकतर बच्चा कॉलेज आ विश्वविद्यालयक शिक्षक आ शिक्षकेतर कर्मचारिक पढ़ैत छल। पिछला तीन साल स एहि आधार पर समाद एहन अल्प विराम लैत अछि। सब सालक भांति एहि बेर सेहो एहि अल्प विराम क बाद समाद नव जोश आ नव विचारक संग अहां क पहुंचल अछि। बिहारक विकास एक एक मात्र उद्देश्य रहल अछि। एहि मे अहां पूर्ण सहयोग भेटल। बिहार आगू बढ़ल, हमहूं आगू बढ़लहुं।

भाजपा मे नहि चलत आब ओ मानक!

राहुल सिंह

नई दिल्ली। दिग्गज नेता जसवंत सिंह एक बेर फेर भाजपा मे आबि गेलाह। पार्टी क आला नेता पुष्प-गुच्छ स हुनकर स्वागत केलथि आ हुनका विदेश, अर्थ आ सुरक्षा नीति क पारंगत घोषित केलथि। जसवंत स ठीक पहिने, 'चोर दुआरि' यानी राज्यसभा क बाट स एकटा आओर पुराने भाजपाई राम जेठमलानी क भाजपा मे वापसी भेल। जसवंत आ जेठमलानी दूनू 1980 मे जनसंघ क दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी क नेतृत्व मे भाजपा क संस्थापक सदस्य छथि। तखन हिनकर पार्टी मे प्रभावी हैसियत छल आ आइ फेर एक बेर प्रभावी हैसियत बनल अछि। इ अलग गप अछि जे पार्टी जसवंत क जेकां ढोल-नगाड़ा स जेठमलानी क स्वागत करबाक साहस नहि जुटा सकल। जेठमलानी समय दर समय भाजपा या फेर एकर सर्वोच्च नेता अटल बिहारी वाजपेयी क लानत-मलामत करबा मे कोनो कसर नहि छोड़लाह। जाहि अफजल गुरु कए फांसी देबा लेल भाजपा आफन तोड़ने अछि ओकरा बचेबा लेल जेठमलानी लागल छथि। दोसर दिस, भाजपा आ ओकर पितृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ क बहुप्रचारित मान्यता क विरुद्ध जसवंत सिंह अपन पुस्तक मे देश क विभाजन मे जिन्ना क भूमिका कए खारिज केलथि। एतबे नहि ओ संघ क लेल आदर्श रहल सरदार पटेल पर सेहो आंगुर उठेलथि। एकर बाद हुनका पार्टी स निकालल गेल आ फेर आनल गेल। एहि ठाम इ प्रश्न उठैत अछि जे भगवा पार्टी क मान्य विचारधारा बदलि गेल अछि या जसवंत सिंह आ जेठमलानी अपन पुरान स्थापना स मुंह फेर चुकल छथि। आ अगर एहन नहि अछि त इ कहबा मे हर्ज नहि जे एखुनका भाजपा मे नहि चलैत अछि आब पुरान मानक। समय बदलल। चेहरा बदलल आ भाजपा क चरित्र सेहो बदलि गेल। इ चिंतन क विषय अछि जे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी आ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जे मानक गढ़लाह-रचलाह ओहि पर भाजपा केतबा कायम है? मुदा सवाल इ सेहो अछि जे भविष्य मे संगठन अटल बिहारी वाजपेयी कए सेहो एहिना कात करि देत जेना आइ डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी आ पंडित दीनदयाल उपाध्याय कए करि देलक अछि। नहि त वाजपेयी कए जीते-जी हुनकर लानत-मलामत करनिहार जेठमलानी कए पार्टी मे आनि मोदी कए खुश करबाक चेष्टा कोनो भेल। एहन विरोधाभासी स्थिति मे कार्यकर्ता कोनो तारतम्य बनेताह? जसवंत सिंह एहि पर चुटकी लैत कहला जे 'हम पापी भला कौन कानक'। बहरहाल, इ सवाल मौजूं अछि जे संघ आ भाजपा क सिद्धांत स रत्ती भरि नहि डगनिहार उमा भारती आ बाबूलाल मरांडी एखनो पार्टी स बाहर छथि। किया पता नहि....

लालूक पाछु पड़ल ममता कए फेर हाथ लागल मायूसी

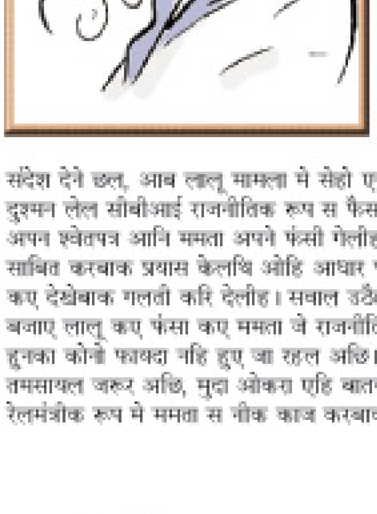

नई दिल्ली । पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद कए पंसेबा लेल हाथ धो कए पाछु पड़ल ममता बनर्जी कए एक बेर फेर मायूसी हाथ लागल अछि। जमीन क बदला मे नौकरी देबाक आरोप में फंसल लालू प्रसाद क खिलाफ जांच शुरू करबाक ममता बनर्जी क दरख्वास्त कए सीबीआई दरकिनार करि देलक अछि। ममताक एहि अनुरोध कए कांग्रेस सेहो गैरजरूरी मानलक अछि। ओनाओ ममताक गप पर कांग्रेस आब बेसी ध्यान नहि द रहल अछि। ज्ञानेश्वरी हादसा मे माओवादी क हाथ क जांच करबाक मांग पर सेहो कांग्रेस आ सीबीआई ममता क नाराजगी स बेफिक्री देखा चुकल अछि। ज्ञानेश्वरी हादसा क जांच मे बुद्धदेव सरकार क लाइन कए सही ठहराकए जांच एजेंसी ममता कए राजनीतिक संदेश देने छल, आब लालू मामला मे सेहो एजेंसी साफ करि देलक अछि जे राजनीतिक दुश्मन लेल सीबीआई राजनीतिक रूप स फैसला लैत। रेलवे क नफा-नुकसान मामले मे अपन श्वेतपत्र आनि ममता अपने फंसी गेलीह आ जाहि आधार पर ओ लालू कए गलत साबित करबाक प्रयास केलथि ओहि आधार पर अपन बजट तैयार करि रेलवेक नफा कए देखेबाक गलती करि देलीह। सवाल उठैत अछि जे रेलवेक हालात सुधारबाक बजाए लालू कए फंसा कए ममता जे राजनीति करबा कोशिश करि रहल छथि ओहि स हुनका कोनो फायदा नहि हुए जा रहल अछि। कोलकाताक बिहारी समाज लालू स तमसायल जरूर अछि, मुदा ओकरा एहि बातक संतोष सेहो अछि जे लालू एकटा रेलमंत्रीक रूप मे ममता स नीक काज करबाक रिकार्ड रखैत छथि।

गहूम क जगह माटी भरल बोरा पठाउल जा रहल छल बिहार

फिरोजपुर। पंजाब स बिहार गहूम क बोरा मे माटी पठाउल जा रहल छल। वजन बढ़ेबा लेल ओकरा भीजा देल गेल छल। सीआईडी भारतीय खाद्य निगम क एकटा गोदाम मे छापा मारि कए एहि घोटाला क पर्दाफाश केलक अछि। पनसप जिला मे भारतीय खाद्य निगम क गोदाम मे राखल गहूम कए बिहार पठेबा लेल फिरोजपुर रेलवे स्टेशन पर विशेष मालगाड़ी मे लादल जा रहल छल। एहि दौरान सीआईडी कए गहूम क बोरा मे माटी भरल हेबाक सूचना भेटल। अफसर आनन फानन मे बार्डर रोड स्थित पनसप क एकटा गोदाम पर छापा मारिकए ट्रक (एचआर 39 ए0472) कए चेक केलथि त गहूम बोरा मे माटी भेटल। इंस्पेक्टर सुरेंदर सिंह क अनुसार गोदाम आ ट्रक दूनू कए सील करि देल गेल अछि। मामला संज्ञान भेटला पर उपायुक्त केके यादव हैरान छथि। ओ जिलाधिकारी आ जिला खाद्यपूर्ति अधिकारी कए रिपोर्ट देबा लेल कहलथि अछि। ओ अपनो गोदाम जा कए बोरा देखलाह अछि। यादव कहला, गोदाम मे राखल चारि लाख बोरा मे करोड़ क गहूम अछि। केतबा मे माटी अछि द त जांचक बाद पता चलतरु मुदा घोटाला इ छोट नहि अछि।

जोगबनी सीमा पर बनत एकीकृत चौकी

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह राज्यमंत्री मुल्लपल्ली रामचन्द्रन भारत-नेपाल सीमा पर बिहार मे स्थित जोगबनी मे एकीकृत चौकी क आधारशिला रखलाह। जोगबनी एकीकृत सीमा चौकी बिहार मे दोसर आ अटारी (पंजाब) आ रक्सौल (बिहार) क बाद देश मे तेसर एकीकृत चौकी अछि, जतय आइ स निर्माण शुरू भ गेल। जोगबनी एकीकृत चौकी लगभग 190 एकड़ मे बनत आ अगस्त 2011 तक बनि जेबाक आशा अछि। आधारशिला रखबा काल बिहार क स्वास्थ्य मंत्री नन्द किशोर यादव सेहो मौजूद छलाह। एहि एकीकृत चौकी क प्रमुख विशेषता मे मड्यूलर डिजाइन, प्रत्येक प्रक्रिया क लेल निर्धारित लेन, सीमा स एबा-जेबा लेल अलग गेट, न्यूनतम यातायात संकुलता, रूट क जानकारी, मार्ग-निर्देश, प्रशासनिक आ सुविधा क्षेत्र शामिल अछि। एहि ठाम जे सुविधा प्राप्त रहत ओहिमे यात्रा क अंतर्गत पड़ाव क इमारत, मुद्रा विनिमय, इंटरनेट सुविधा, निरीक्षण स्थल, गोदामशीत भंडार, बैंक, स्कैनर, सीसीटीवीपी ए प्रणाली, पार्किंग, जलपान-भोजन दुकान आ अन्य जन सुविधा शामिल अछि। भारत-नेपाल सीमा पर दू टा आओर एकीकृत चौकी उत्तर प्रदेश मे रूपईडीहा आ सुनौली मे बनत।

कोसी आपदा राहत क लेल भेटत 900 करोड़

नई दिल्ली। अगस्त 2008 मे कोसी नदी मे आइल भयंकर बाढ़ पीड़ित कए राहत देबाक कोशिश एखनो जारी अछि। विश्व बैंक क एकरा लेल बिहार कए 900 करोड़ टका [20 करोड़ डालर] क मदद देबा लेल तैयार भ गेल अछि। संबंधित प्रस्ताव कए विश्व बैंक क निदेशक मंडल क मंजूरी भेट गेल अछि। दरअसल, विश्व बैंक कए पिछला साल कोसी बाढ़ स प्रभावित इलाका मे राहत कार्य चलेबा लेल आर्थिक मदद क प्रस्ताव पठाउल गेल छल। शुरुआती चर्चा क बाद बैंक संकेत देने छल जे ओ मदद लेल तैयार अछि। विश्व बैंक क दिस सइ संकेत सेहो भेटल अछि जे 900 करोड़ क रकम केवल शुरुआती छी, बाद मे आओर राशि भेट सकैत अछि। विश्व बैंक स भेटल राशि क इस्तेमाल मुख्य तौर पर कोसी क्षेत्र क लोकक पुनर्वास क लेल होएत। इ मदद बतौर कर्ज होएत, मुदा एकरा पर राज्य सरकार कए बहुत कम दर पर ब्याज देबाक अछि। संगहि इ कर्ज काफी लंबा समय [अमूमन 20 स 25 साल] क लेल देल गेल अछि। एहन मे राज्य सरकार पर बेसी बोझ नहि पड़त। बैंक क भारत इकाई क प्रमुख रोबर्टो जागा क मुताबिक भारत क लेल एखन जे तीनटा परियोजना पर प्रमुखता स विचार भेल ओहि मे आपातकालीन कोसी बाढ़ पुनर्गठन परियोजना प्रमुख रहल।

खाद्य प्रसंस्करण कए भेटल सब्सिडी

पटना । बिहार मे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र मे निवेश करनिहार चेहरा पर मुस्कराहट अछि। दरअसल, राज्य सरकार क दिस स अनुदान क पहली किस्त भेट गेल अछि। इ निवेशक क लेल एकटा पैघ राहत क रूप मे देखल जा रहल अछि। राज्य क खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र क निदेशक पीके झा कहलथि जे एखन धरि हम 12 टा निवेशक कए अनुदान क पहिल किस्त द चुकल छी। बाकी बचल निवेशक कए सेहो सरकार जल्दी टका द दैत। एहि साल जनवरी मे बिहार सरकार कुल मिलाकए 22 निवेशक क संग समझौते पर दस्तखत केलक अछि। बिहार सरकार क 2006 मे लागू भेल नव औद्योगिक नीति आ खाद्य प्रसंस्करण नीति क तहत परियोजना पर आबैवाला कुल लागत क 35 फीसदी सरकार कए सब्सिडी क रूप मे देबाक अछि। एकर अलावा, 40 फीसदी बैंक कए ऋण क रूप मे आ बाकी बचल 25 फीसदी रकम निवेशक कए खुद लगेबाक अछि।

खत्म भेल इंतजार, नियुक्त हेबा लेल भ जाउ तैयार

पटना । दू दशक पूर्व प्रशिक्षित शिक्षक अभ्यर्थी क इंतजार क घड़ी आब समाप्त भ गेल। अदालत मे चलल कानूनी लड़ाई क बाद सर्वोच्च न्यायालय क आदेश क आलोक मे राज्य सरकार 31 अगस्त तक 34,540 प्रशिक्षित शिक्षक अभ्यर्थी कए सरकारी वेतनमान मे सहायक शिक्षक क पद पर नियुक्त करै जा रहल अछि। हरेक कए न्यूनतम 17 हजार टका प्रति माह वेतन क तौर पर भेटत। शिक्षक कए यथाशीघ्र बहाली क लेल मानव संसाधन विकास विभाग क पत्र भेटला क बाद कर्मचारी चयन आयोग सेहो सक्रिय भ गेल अछि आ ओ विभाग स नियुक्ति क प्रक्रिया, सेवा शर्त, आरक्षण रोस्टर आ अन्य मसला पर विस्तृत ब्योरा मंगलग अछि।

आयोग क पत्र क आलोक मे विभाग शिक्षक क 34,540 रिक्त पद क जिलावार विवरण पठेबाक अलावा इ सेहो स्पष्ट करि देलक अछि जे एहि पद मे 12862 पद उर्दू विषय क आ शेष 21678 पद सामान्य विषय क अछि। सरकार क आरक्षण नियम क अनुसार शिक्षक क नियुक्ति कैल जाएत। विकलांग उम्मीदवार कए नियमानुसार 3 प्रतिशत समानांतर आरक्षण देय होएत। विभाग क प्रधान सचिव अंजनी कुमार सिंह कहला जे नियुक्ति काउंसलिंग करि प्रशिक्षण क वरीयता क आधार पर कैल जाएत। आयोग निर्धारित प्रपत्र मे केवल प्रशिक्षित उम्मीदवार स आवेदन प्राप्त करि ओकर काउंसलिंग करि नियुक्ति करत।

23 जनवरी 2006 तक प्रशिक्षण परीक्षा मे उत्तीर्ण उम्मीदवार आवेदन द सकैत अछि। नियुक्ति क लेल 23 जनवरी 2006 कए न्यूनतम आयु 18 वर्ष आ 31 जनवरी 2011 कए अधिकतम आयु 60 वर्ष राखल गेल अछि। प्रशिक्षण सत्र आ प्रशिक्षण मे प्राप्त अंक कए आधार मानि कए कोटिवार अभ्यर्थी क वरीयता सूची तैयार कैल जाएत। शिक्षक पद क उम्मीदवार कए वर्ष 1995 क पूर्व केंद्र अथवा राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान स दू वर्षीय प्रशिक्षण परीक्षा अथवा बीएड क परीक्षा उत्तीर्ण हेबाक चाही। 1995 क बाद ओकरा एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान स दू वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण डिप्लोमा आ बीएड अथवा बीएलएड परीक्षा उत्तीर्ण हेबाक चाही।

प्रा. शिक्षक अभ्यर्थी क नियोजन जुलाई मे

पटना । मानव संसाधन विकास विभाग 70 हजार प्राथमिक शिक्षक अभ्यर्थी कए जुलाई क अंतिम सप्ताह मे नियोजन पत्र प्रदान करत। एकर संगहि 28 अगस्त कए तीन साल क सेवा पूरी करि चुकल लगभग 1.25 लाख नियोजित शिक्षक कए दक्षता परीक्षा 29 अगस्त कए लेल जाएत। जिला शिक्षा अधीक्षक (डीएसई) क समीक्षा बैठक मे उक्त निर्णय सुना देल गेल अछि। प्राथमिक शिक्षा उपनिदेशक आर.एस.सिंह कहला जे अधिकांश जिला मे चयनित शिक्षक अभ्यर्थी क शिक्षण आ प्रशिक्षण प्रमाण पत्र क 95 फीसदी तक सत्यापन भ चुकल अछि। लिहाजा एहि काज मे पिछड़ल जिला क डीएसई कए कहल गेल अछि जे ओ प्रमंडलवार सत्यापन कार्य मे तेजी आनि एक सप्ताह मे अपन रिपोर्ट सौंप दथि। सिंह कहला जे 20 जुलाई कए सत्यापन कार्य क पुन: समीक्षा कैल जाएत आ जुलाई क अंतिम सप्ताह मे अभ्यर्थी कए नियोजन पत्र क वितरण कैल जाएत।

बिहार मे किया नहि भेल राष्ट्रमंडल खेल

आखिर दिन मे रोशनी करबाक चेष्टा मे राति एहनो अनहार अछि

नंदनी

पटना। खेलक स्तर पर सबस कम आधारभूत संरचना बिहार मे अछि। सच पूछू त एहि राज्य मे एकटा नीक मैदान तक नहि अछि। एहन मे अगर राष्ट्रमंडल खेल बिहार सन राज्य मे आयोजित होइत त राज्य मे एकटा ठोस आधारभूत संरचना तैयार करबा मे आसानी क संग-संग देश कए एकटा नव खेल गांव क सनेस सेहो भेट जइते। मुदा एहन नहि भेल, मणिशंकर जी क गप सुननिहार कियो नहि अछि। आखिर दिन मे रोशनी करबाक चेष्टा हमर देशक सरकार करैत रहल अछि, ताहि राति एहनो अनहार अछि। जे शहर आ राज्य विकसित अछि ओकर विकास करबाक विचार भारत सन देशक सरकार आ नेताक भ सकैत अछि। पचास हजार करोड़ मे एकटा नव शहर बसेबाक बदला मे दिल्ली सन बनल बनाएल शहर कए

फेर स बनेबाक कौन जरूरत छल, जखन कि बिहार मे शहरीकरणक रफ्तार सबस कम अछि। एकर संग-संग राज्य मे खेल क हाल बेहाल अछि। हालात इ भ चुकल अछि जे राज्य मे खेलक सुनहगर अतीत पर धुंध छा गेल अछि। क्रिकेट कए धर्म बुझनिहार एहि देश मे बिहार एकटा एहन राज्य अछि जतय क्रिकेट क खेल स्टेडियम क जगह अदालत मे खेलल जा रहल अछि। बिहारक क एकमात्र अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम मोइनुल हक मे खेल बंद अछि। आसपास क जिला क स्टेडियम क गप नहि हुए। एस्ट्रोटर्फ एहि ठाम सपना बनल अछि। मैदान क कमी क असर राष्ट्रीय खेल हॉकी क अलावा फुटबाल, एथलेटिक्स आ अन्य खेल पर साफ देखा रहल अछि। पहिने जतय स्टेडियम मे खिलाड़ी क मेला लगैत छल, आइ खिलाड़ी दोसर राज्य क दिस पलायन करि रहल अछि। वीरान पड़ल 35 हजार दर्शक क क्षमतावाला मोइनुल हक स्टेडियम कए इ पता नहि अछि जे ओकर भाग्य मे की लिखल अछि। 2001 मे बीसीसीआई पर्यवेक्षक दल स्टेडियम क दौरा करि एकरा क्लीन चिट द देने छल। एकर बाद सांसद कपिल सिब्बल फ्लड लाइट्स क लेल तीन करोड़ टका सेहो देलथि, मुदा मान्यता विवाद आ रख-रखाव सबटा खेल बिगाड़ि देलक। 1996 मे जिम्बाब्वे आ केन्या क बीच भेल विश्व कप क्रिकेट मैच क दौरान सुनील गावस्कर, माइकल होल्डिंग, रवि शास्त्री स बेहतरीन आउटफील्ड क दर्जा पैनिहार इ मैदान आइ मूसक रैन बसेरा बनल अछि।

जखन कि बिहारशरीफ मे मौजूद दीपनगर स्टेडियम, गया क काल्हा स्टेडियम, हरिहर सुब्रमण्यम स्टेडियम, मगध विवि स्टेडियम आ इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, हाजीपुर क अक्षयवट राय स्टेडियम, छपरा क राजेन्द्र स्टेडियम अतिक्रमण क चपेट मे अछि। असामाजिक तत्व क अड्डा बनल आरा क वीर कुंवर सिंह स्टेडियम मे महिला खिलाड़ी जेनाई तक छोड़ि देलथि अछि। बक्सर क किला मैदान कए स्टेडियम मे परिवर्तित करबाक मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना स 27 लाख क राशि आवंटित भेल, जखकि नवनिर्मित जहानाबाद इंडोर स्टेडियम मे खेल नहि शुरू भ सकल अछि। गोपालगंज, नवादा, सिवान समेत अन्य जगह क खेल मैदान क दुर्दशा कननिहार कियो नहि अछि। मजेदार गप अछि या अज्ञानता मुदा दरभंगा क पोलो मैदान मे बनल क्रिकेट स्टेडियम क पवेलियन गलत स्थान पर बना देल गेल अछि जाहि स ओ तकनीकी रूप स स्टेडियमक दर्जा नहि पाबि सकल अछि। एतबे नहि दरभंगा राज मैदान मे पिछला बीस साल स बनि रहल स्टेडियम आइ धरि शिलान्यास स आगू नहि बढ़ि सकल अछि। 32 करोड़ 55 लाख क लागत स पटनाक कंकड़बाग मे बनि रहल अंतरराष्ट्रीय कंकड़बाग स्पोर्ट्स काम्पलेक्स क शिलान्यास 1989 मे भेल छल। मुदा एहि मे काज कम आ शिलान्यास बेसी भेल। एखन धरि चारि बेर शिलान्यास भ चुकल एहि स्पोर्ट्स काम्पलेक्स क पहिने जिम्मेवारी पटना कमिश्नरी कए सौंपल गेल छल, मुदा ओकर ढुलमुल रवैया स काज शुरू नहि भ सकल त निर्माण विभाग एकर ढांचा तैयार करि लेलक अछि, मुदा काज एखनो बहुत बाकी अछि। राजनीति मे खेल आ खेल मे राजनीतिक कारण बिहार मे एखनो पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब क सिद्धांत पर आगू बढ़ि रहल अछि।

हम बिहारक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार छी

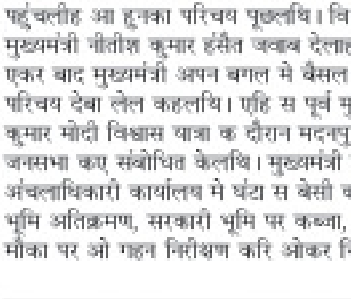

मदनपुर (औरंगाबाद)। हमर नाम नीतीश कुमार छी आ हम बिहारक मुख्यमंत्री छी। जी हां, अपन राज्य मे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कए अपन इ परिचय देबा लेल मजबूर हुए पड़ल। भेल इ जे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आ उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी विश्वास यात्राक दौरान मदनपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय निरीक्षण करबा लेल पहुंचलाह। शिक्षकक कहबा पर ओहि विद्यालय मे पढ़ैवाली छात्रा पहिने हुनका तिलक लगा कए स्वागत केलक आ पुष्प बरसेलक। एकर बाद विद्यालय प्रांगण मे स्वागत गान स मुख्यमंत्री क स्वागत भेल। एहि बीच छठम कक्षा क एकटा छात्रा आ बरई बिगहा निवासी विभा कुमारी क लग पहुंचलीह आ हुनका परिचय पूछलथि। विभाक सवाल छल, आपका नाम क्या है, एहि पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हंसैत जवाब देलाह, हम बिहारक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार छी। एकर बाद मुख्यमंत्री अपन बगल मे बैसल उपमुख्यमंत्री आ सांसद कए सेहो अपन-अपन परिचय देबा लेल कहलथि। एहि स पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आ उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी विश्वास यात्रा क दौरान मदनपुर प्रखंड मुख्यालय क खेल मैदान मे विशाल जनसभा कए संबोधित केलथि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मदनपुर प्रखंड स्थित प्रखंड आ अंचलाधिकारी कार्यालय मे घंटा स बेसी काल बैस फाइल क निरीक्षण केलथि। खास क भूमि अतिक्रमण, सरकारी भूमि पर कब्जा, भूमि विवाद आ बेदखली स संबंधित फाइल क मौका पर ओ गहन निरीक्षण करि ओकर निदान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश देलथि।

आईआईटी प्रवेश परीक्षा मे बदलाव स बिहार चिंतित

पटना । आईआईटी संस्थान मे दाखिला क लेल होइवाला प्रवेश परीक्षा मे बदलाव क तैयारी भ रहल अछि। नव सिस्टम क तहत 12वीं क्लास क 70 फीसदी अंक आ एकटा एप्टिट्यूड टेस्ट क आधार पर कटऑफ लिस्ट बनत जेकर बाद मात्र 40 हजार छात्र परीक्षा द सकताह। जखनकि एखन आईआईटी संयुक्त प्रवेश परीक्षा मे 4 लाख स बेसी छात्र शामिल होइत छथि। दाखिलाक लेल अपनाउल गेल मौजूदा प्रवेश परीक्षा मे बदलाव क लेल मानव संसाधन विकास मंत्रालय नव मसौदा तैयार केलक अछि। मानव संसाधन विकास मंत्रालय क एहि कदम कए कोचिंग प्रणाली पर अंकुश लगेबा लेल क्रांतिकारी कदम मानल जा रहल अछि,मुदा एहि स सबस बेसी घाटा उत्तरप्रदेश आ बिहारक छात्र कए भ सकैत अछि। आईआईटी खड़गपुर क डायरेक्टर दामोदर आचार्य क अगुवाई मे बनल पैनल क एहि रिपोर्ट पर सवाल सेहो ठार भ रहल अछि।

पता नहि दादा जइसन नेता फेर कहिया भेटत

*बांकाक रहनिहार पत्रकार **राहुल सिंह** ओना त देवघर आ दिल्ली मे पत्रकारिता केलथि, मुदा दिग्विजय सिंह स हुनकर संबंध पारिवारिक रहल अछि। आइ दिग्विजय सिंह क निधन स उपजल शून्य कए ल कए ओ चिंतित छथि। समादक लेल इ विशेष आलेख एक प्रकार स दिग्विजय सिंह क प्रति हुनकर श्रद्धांजलि अछि।*

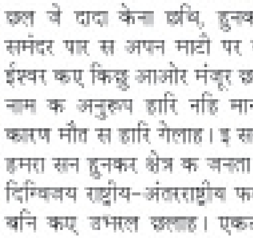

दादा चल गेलाह। अचानक, चुका कए। अचानक ऐना सब किछु छोड़ि कए ओ चल जेताह, एहन कियो नहि सोचने छल। हां, आइ पूरा अंग प्रदेश क जनता एकटा असगर दादा क नहि रहबा स अपना कए असगर, अनाथ महसूस कए रहल अछि। दादा-यानी समाजवादी दिग्विजय सिंह। बिहार क अंग प्रदेश क आन-बान-शान क प्रतीक। हमरा लग (पत्रकार हेबाक कारण) बिहार स लगातार फोन आबि रहल छल जे दादा केना छथि, हुनकर तबीयत केहन अछि। सात समंदर पार स अपन माटी पर कहिया लौट रहल छथि। मुदा ईश्वर कए किछु आओर मंजूर छल। सार्वजनिक जीवन मे अपन नाम क अनुरूप हारि नहि माननिहार दादा मस्तिष्काघात क कारण मौत स हारि गेलाह। इ सन्न, स्तब्ध करनिहार खबर छल हमरा सन हुनकर क्षेत्र क जनता लेल।

दिग्विजय राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय फलक पर अपन क्षेत्र क पहचान बनि कए उभरल छलाह। एकटा मजबूत, मुकम्मल आवाज। भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बांका आ देवघर क लोक बड़ गर्व स कहैत छलथि जे दिग्विजय हुनकर नेता छथि। यानी दादा हुनकर छथि आ ओ दादा क। मुदा आब दादा नहि छथि। हुनकर संगक लोक जे ओहि क्षेत्र में राजनीतिक रूप से सक्रिय छथि हुनका मे ओ ठसक, सहजता नहि अछि। हुनका सन गंभीर सोच सेहो नहि अछि। अंग क माटी स दादा रूपी बरगद ढह जेबाक बाद मौजूदा राजनीतिक वृक्ष क ओहन काया नहि जे ओ अपन लोक कए दादा जइसन छाया मुहैया करा सकए।

जखन पंद्रहवीं लोकसभा चुनाव क दौरान नीतीश कुमार पूरा देश मे हीरो बनल छलाह आ कांग्रेस आ भाजपा दूनू एहि गप क लेल लड़ा भांजि रहल छल जे नीतीश केकर खेमा मे छथि, ओहि दौरान दिग्विजय नीतीश कए बांका क जमीन पर चारों खाना चीत करि देलाह। समाजवादी नीतीश लोकसभा चुनाव मे 'दिग्विजयी' भ कए दादा क हाथ स दिग्गज सामाजवादी क कर्मभूमि रहल बांका क धरती पर एक तरह स दोसर समाजवादी (दादा) स हारि गेलाह। नीतीश दिग्विजय कए संसद पहुंचबा स रोकबा लेल क्षेत्र मे धुआंधार सभा केलथि, मुदा जनता अपन बांके दिग्विजय क संग रहल।

समता पार्टी हुए या जनता दल यूनाइटेड। नीतीश-दिग्विजय क बीच मे हरदम मौलिक मतभेद रहल। दूनू प्रखर। दूनू विकास आ पिछड़ल क उत्थान क प्रतीक। मुदा मतभेद क बावजूद दूनू एक दल क दायरा मे रहैत बिहार आ देश क राजनीति मे अपन पहचान बनेबा मे सफल भेलाह।

जदयू क पुरान संस्करण समता पार्टी क तीन प्रमुख संस्थापक मे स एक दिग्विजय सिंह यूपी-बिहार क राजनीति मे आएल 'पिछड़ा' उभार क कारण प्राकरांतर मे स पाछु भ गेलाह आ नीतीश संगठन क प्रमुख चेहरा बनि गेलाह मुदा दिग्विजय एकर बावजूद प्रासंगिक रहलाह।

दादा कहियो सौदेबाजी आ समझौता क राजनीति नहि केलाह। लड़ाई राजनीति क हुए या जीवन क, ओ हरदम कठिनाई भरल राह चुनलाह। अपन बनौल घर जदयू स बेघर भेलाक बाद ओ आसानी स दोसर पार्टी क टिकट पर चुनाव मैदान मे जा सकैत छलाह, राज्यसभा क सदस्यता क परित्याग सेहो भावुक राजनीति मे जरूरी नहि छल। मुदा दादा नीतीश क चुनौती कए स्वीकार केलाह। ओ निर्दलीय चुनाव मैदान मे गेलाह आ जीत कए देखेबा मे सफल भेलाह। दादा क लड़ाई क सिपाही बांका क 20 साल क युवा संग 80 साल क बुजुर्ग सेहो छलाह। ओ ब्राह्मण सेहो छलाह आ दलित सेहो छलाह। ओ फिल्म स्टार आ ग्लैमरस चेहर क स्थान पर प्रभाष जोशी, रघु ठाकुर, एमजे अकबर आ हरिवंश सरीखा कईटा प्रखर बुद्धिजीवि कए बांका क जनता क बीच ल गेलाह।

शेष आगिला अंक में...

अंक- 40, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह, समाचार संपादक : प्रीतिलता मल्लिक। (खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com